अध्याय 8: फ़िराक गोरखपुरी (रुबाइयाँ) - महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

भाग 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **फ़िराक गोरखपुरी का मूल नाम क्या था?**
    - **(क) रघुपति सहाय**
    - **(ख) फ़िराक़ हुसैन**
    - **(ग) रघुपति सिंह**
    - **(घ) फ़िराक नज़ीर**
    - **उत्तर: (क) रघुपति सहाय**
2. **'रुबाई' में कितनी पंक्तियाँ होती हैं?**
    - **(क) दो**
    - **(ख) तीन**
    - **(ग) चार**
    - **(घ) छह**
    - **उत्तर: (ग) चार**
3. **रुबाई की कौन-सी पंक्तियों में तुक (काफ़िया) मिलाया जाता है?**
    - **(क) पहली, दूसरी और तीसरी**
    - **(ख) पहली, दूसरी और चौथी**
    - **(ग) केवल पहली और चौथी**
    - **(घ) चारों पंक्तियों में**
    - **उत्तर: (ख) पहली, दूसरी और चौथी**
4. **माँ अपने बच्चे को आँगन में खड़ी होकर क्या करती है?**
    - **(क) नहलाती है**
    - **(ख) हाथों पर झुलाती है**

- (ग) खाना खिलाती है
- (घ) सुलाती है
- उत्तर: (ख) हाथों पर झुलाती है

5. बच्चा किस चीज़ के लिए ज़िद कर रहा है (ललचाया है)?
   - (क) खिलौने के लिए
   - (ख) दूध के लिए
   - (ग) चाँद के लिए
   - (घ) मिठाई के लिए
   - उत्तर: (ग) चाँद के लिए
6. माँ बच्चे को चाँद दिखाने के लिए किसका सहारा लेती है?
   - (क) खिड़की का
   - (ख) आईने (दर्पण) का
   - (ग) पानी के बर्तन का
   - (घ) चित्र का
   - उत्तर: (ख) आईने (दर्पण) का
7. दिवाली की शाम को घर कैसा दिखता है?
   - (क) धूल भरा
   - (ख) पुता और सजा हुआ
   - (ग) सूना
   - (घ) अंधेरा
   - उत्तर: (ख) पुता और सजा हुआ
8. रक्षाबंधन का पर्व किस महीने में आता है?
   - (क) भादो

- (ख) सावन
- (ग) चैत
- (घ) आषाढ़
- उत्तर: (ख) सावन

9. शायर ने राखी के लच्छों की तुलना किससे की है?
   - (क) सूरज से
   - (ख) तारों से
   - (ग) बिजली की चमक से
   - (घ) सोने से
   - उत्तर: (ग) बिजली की चमक से
10. 'रस की पुतली' किसे कहा गया है?
   - (क) माँ को
   - (ख) नन्हीं बहन को
   - (ग) खिलौने को
   - (घ) मिठाई को
   - उत्तर: (ख) नन्हीं बहन को

भाग 2: एक पंक्ति वाले प्रश्न (One Line Q&A)

1. फ़िराक की रुबाइयों में किस प्रसिद्ध भक्त कवि के वात्सल्य की झलक मिलती है?
   - उत्तर: सूरदास के वात्सल्य वर्णन की सादगी की याद दिलाती है।
2. 'लोका देना' क्रिया का क्या अर्थ है?
   - उत्तर: इसका अर्थ है बच्चे को हवा में उछाल-उछाल कर प्यार करना।
3. बच्चे की हँसी कब गूँज उठती है?
   - उत्तर: जब माँ उसे हवा में उछालती (लोका देती) है, तब बच्चा खिलखिलाकर हँस पड़ता है।

4. **माँ बच्चे के बालों (गेसुओं) में क्या करती है?**
    - **उत्तर: माँ बच्चे के उलझे हुए गेसुओं में कंघी करती है।**
5. **बच्चा माँ की ओर किस भाव से देखता है?**
    - **उत्तर: जब माँ उसे कपड़े पहनाती है, तब बच्चा बड़े प्यार से माँ के मुँह को देखता है।**
6. **दिवाली के अवसर पर बच्चे के लिए क्या लाया जाता है?**
    - **उत्तर: दिवाली पर बच्चे के लिए चीनी मिट्टी के चमकते खिलौने लाए जाते हैं।**
7. **माँ ने दर्पण में क्या दिखाया?**
    - **उत्तर: माँ ने दर्पण में चाँद की परछाईं दिखाकर कहा कि चाँद नीचे उतर आया है।**
8. **सावन की घटा कैसी है?**
    - **उत्तर: सावन की घटा गगन में हल्की-हल्की छाई हुई है।**
9. **'रुपवती मुखड़े पै नर्म दमक' का क्या आशय है?**
    - **उत्तर: इसका आशय सुंदर चेहरे पर स्वाभाविक कोमलता और चमक से है।**
10. **फ़िराक गोरखपुरी को किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?**
    - **उत्तर: उनकी प्रसिद्ध कृति 'गुले-नग्मा' के लिए।**

भाग 3: तीन पंक्ति वाले प्रश्न (Short Answer)

1. **फ़िराक की रुबाइयों की भाषा की क्या विशेषता है?**
    - **उत्तर: फ़िराक की भाषा में हिंदी, उर्दू और लोकभाषा का अनूठा गठबंधन है जिसे गांधी जी 'हिंदुस्तानी' कहते थे। इसमें 'घुटनियों', 'पिन्हाना', 'जिदयाया' जैसे घरेलू शब्दों का प्रयोग इसे आम आदमी के करीब लाता है।**
2. **दिवाली के दृश्य का शायर ने कैसे वर्णन किया है?**
    - **उत्तर: दिवाली की शाम को घर साफ-सुथरे, पुते और सजे हुए हैं। चीनी मिट्टी के खिलौने जगमगा रहे हैं। माँ अपने बच्चे के छोटे से घरौंदे में मिट्टी के दीये जलाकर उजाला करती है, जिससे घर की रौनक बढ़ जाती है।**

3. रक्षाबंधन के पर्व और सावन की घटा के बीच क्या संबंध बताया गया है?

    - उत्तर: शायर कहता है कि जैसे सावन का संबंध घटा से है और घटा का बिजली से, वैसे ही भाई-बहन का अटूट संबंध है। सावन की हल्की घटाओं के बीच बहन बिजली जैसे चमकते राखी के लच्छे भाई की कलाई पर बाँधती है।

4. बच्चे के चाँद माँगने पर माँ उसे कैसे बहलाती है?

    - उत्तर: जब बच्चा चाँद को खिलौना समझकर उसे पाने की ज़िद करता है, तो माँ उसे हाथ में आईना (दर्पण) थमा देती है। वह कहती है कि देखो, आईने में चाँद उतर आया है। इस तरह वह बच्चे की कल्पना को शांत करती है।

5. शायर राखी के लच्छों को 'बिजली की चमक' जैसा क्यों कहता है?

    - उत्तर: सावन के महीने में आसमान में घटाएँ होती हैं और उनमें बिजली चमकती है। राखी के चमकीले लच्छे भी वैसे ही सुंदर और उज्ज्वल हैं। यह उपमा भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता और चमक को दर्शाती है।

6. रुबाई छंद की तकनीकी बनावट क्या है?

    - उत्तर: रुबाई उर्दू और फ़ारसी की एक लेखन शैली है जिसमें चार पंक्तियाँ होती हैं। इसकी पहली, दूसरी और चौथी पंक्ति में 'काफ़िया' (तुक) मिलाया जाता है, जबकि तीसरी पंक्ति स्वतंत्र होती है।

7. 'नर्म दमक' और 'रस की पुतली' जैसे प्रयोगों का महत्व स्पष्ट कीजिए।

    - उत्तर: ये प्रयोग भाषा को कोमलता और मिठास प्रदान करते हैं। 'नर्म दमक' चेहरे की स्वाभाविक चमक को दिखाता है और 'रस की पुतली' नन्हीं बच्ची के भोलेपन और उससे मिलने वाले आनंद को प्रकट करता है।

8. फ़िराक गोरखपुरी ने उर्दू शायरी की किस पुरानी परंपरा को तोड़ा है?

    - उत्तर: उर्दू शायरी अक्सर रहस्य और शास्त्रीयता में बँधी रहती थी। फ़िराक ने इसे लोकजीवन, प्रकृति और घरेलू रिश्तों (जैसे माँ-बच्चा, भाई-बहन) से जोड़कर एक नई दिशा दी।

9. बच्चे को नहलाने और तैयार करने के दृश्य में वात्सल्य कैसे प्रकट होता है?

    - उत्तर: माँ बच्चे को निर्मल जल से नहलाती है, प्यार से उसके बाल सँवारती है और उसे अपनी गोद (घुटनियों) में लेकर कपड़े पहनाती है। इस दौरान बच्चा

जिस तरह अपनी माँ को ताकता है, वह माँ-बेटे के बीच के गहरे प्रेम को दिखाता है।

10. "घर लौट बहुत रोए माँ-बाप अकेले में..."–इस शेर के माध्यम से शायर क्या कहना चाहता है?

    - उत्तर: यह शेर गरीबी और लाचारी की तल्ख सच्चाई को बयान करता है। मेले में मिट्टी के खिलौने भी इतने महँगे थे कि माँ-बाप उन्हें खरीद नहीं पाए। बच्चों की इच्छा पूरी न कर पाने का दुख उन्हें घर आकर अकेले में रुलाता है।

भाग 4: पाँच से छह पंक्ति वाले प्रश्न (Long Answer)

1. 'रुबाइयाँ' कविता में वर्णित माँ और बच्चे के संबंधों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

    - उत्तर: फ़िराक गोरखपुरी ने इन रुबाइयों में माँ और बच्चे के बीच के अत्यंत सहज और घरेलू रिश्तों को चित्रित किया है। माँ अपने बच्चे को आँगन में खड़ी होकर हाथों पर झुलाती है और उसे हवा में उछालकर खुश करती है। वह बच्चे को नहलाती है, उसके बालों में कंघी करती है और उसे गोद में लेकर कपड़े पहनाती है। जब बच्चा चाँद के लिए ज़िद करता है, तो माँ बड़े प्यार से उसे आईने में चाँद दिखाकर उसकी मासूमियत को तुष्ट करती है। यह पूरा वर्णन सूरदास के वात्सल्य जैसा सादा और प्रभावशाली है, जो ग्रामीण और शहरी दोनों परिवेशों के घरेलू जीवन का दर्पण है।

2. फ़िराक गोरखपुरी की शायरी में 'हिंदुस्तानी' भाषा और 'लोक-संस्कृति' की झलक कैसे मिलती है?

    - उत्तर: फ़िराक की शायरी की सबसे बड़ी ताकत उनकी भाषा है। वे उर्दू के चुस्त मुहावरों के साथ हिंदी और लोकभाषा के शब्दों जैसे 'ठुनकना', 'ललचाया', 'घरौंदा', 'झिदयाया' का प्रयोग करते हैं। उनकी रुबाइयों में भारतीय लोक-संस्कृति के दो बड़े त्योहारों–दिवाली और रक्षाबंधन का बहुत ही सुंदर और आत्मीय वर्णन है। वे त्योहारों को केवल धार्मिक संदर्भ में नहीं, बल्कि पारिवारिक खुशी और रिश्तों की मिठास के रूप में देखते हैं। उनकी शायरी दिखावटी न होकर ज़मीन से जुड़ी हुई है, जो भारतीय समाज की मिली-जुली संस्कृति (हिंदुस्तानी) का प्रतिनिधित्व करती है।

3. शायर ने 'रक्षाबंधन' की रुबाई में प्रकृति और मानवीय रिश्तों का जो समन्वय दिखाया है, उसे स्पष्ट कीजिए।

    - उत्तर: रक्षाबंधन की रुबाई में शायर ने सावन की घटाओं, बिजली की चमक और राखी के लच्छों के बीच एक गहरा संबंध स्थापित किया है। सावन के महीने में जब गगन में हल्की-हल्की घटाएँ छाई होती हैं, तब बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बाँधती हैं। राखी के लच्छे बिजली की तरह चमक रहे हैं। जैसे प्रकृति में घटा और बिजली का अटूट साथ है, वैसे ही संसार में भाई और बहन का रिश्ता पवित्र और चमकदार है। 'रस की पुतली' के माध्यम से बहन के कोमल और स्नेहमयी स्वभाव को भी रेखांकित किया गया है। यह रुबाई रिश्तों के सौंदर्य को प्रकृति के सौंदर्य के साथ जोड़कर और अधिक निखार देती है।

4. "बच्चा तो हई चाँद पै ललचाया है"–इस रुबाई में निहित बाल-मनोविज्ञान और माँ की चतुराई का विश्लेषण करें।

    - उत्तर: बाल-मनोविज्ञान यह कहता है कि बच्चों के लिए हर सुंदर और चमकने वाली चीज़ एक खिलौना है। बच्चा चाँद की सुंदरता और उसकी चमक देखकर उसे पाने के लिए ज़िद करने लगता है (ठुनकने लगता है)। वह यथार्थ और कल्पना के बीच का अंतर नहीं जानता। यहाँ माँ की ममता और चतुराई सामने आती है। वह बच्चे को डाँटने या चाँद को असंभव बताने के बजाय, एक दर्पण का प्रयोग करती है। दर्पण में चाँद की परछाईं दिखाकर वह बच्चे को विश्वास दिलाती है कि चाँद वास्तव में नीचे उतर आया है। यह माँ का बच्चे की कल्पना की दुनिया में शामिल होने का एक तरीका है, जो माँ-बेटे के रिश्ते को और मज़बूत बनाता है।

5. फ़िराक गोरखपुरी के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालते हुए बताइए कि वे एक 'बिंबधर्मी' शायर कैसे हैं?

    - उत्तर: फ़िराक गोरखपुरी शब्दों के माध्यम से आँखों के सामने चित्र खींच देने की कला (बिंबधर्मिता) में माहिर हैं। उनकी रुबाइयों में कई प्रभावशाली बिंब हैं: आँखों से देखे जाने वाले दृश्य बिंब जैसे 'राखी के बिजली जैसे लच्छे', 'आईने में चाँद', और 'नहलाकर गीले बालों में कंघी करना'। इसके अलावा 'खिलखिलाते बच्चे की हँसी' के रूप में एक श्रव्य बिंब भी है जो कानों में गूँजता है। वे सामाजिक दुख-दर्द और पारिवारिक खुशियों को व्यक्तिगत

अनुभूति के साथ गूँथकर पेश करते हैं। उनके शेर लिखे नहीं बल्कि कहे (संवाद शैली) जैसे प्रतीत होते हैं, जो सीधे पाठक के हृदय तक पहुँचते हैं।

6. **अध्याय के आधार पर दिवाली और रक्षाबंधन के पर्वों के सामाजिक महत्व पर टिप्पणी कीजिए।**

    - **उत्तर: शायर ने इन दोनों पर्वों को समाज की खुशियों और रिश्तों की मज़बूती के केंद्र के रूप में देखा है। दिवाली केवल रोशनी का त्योहार नहीं है, बल्कि यह घर की सफाई, सजावट और बच्चों की नन्हीं इच्छाओं (मिट्टी के खिलौने) को पूरा करने का अवसर है। यह घर के कोनों में दीये जलाकर अंधेरे को दूर करने का प्रतीक है। वहीं रक्षाबंधन को एक 'मीठा बंधन' कहा गया है। यह पर्व केवल एक रस्म नहीं बल्कि भाई की बहन के प्रति जिम्मेदारी और बहन के निस्वार्थ प्रेम का उत्सव है। ये त्योहार भारतीय समाज की नैतिक बनावट और आपसी प्रेम को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसे शायर ने अपनी रुबाइयों में बड़ी शिद्दत से महसूस किया है।**